PMO को एथनॉल महंगा करने का प्रपोजल देगी फूड मिनिस्ट्री

एथनॉल का प्राइस बढ़ने से गन्ना किसानों का बकाया चुकाने के लिए चीनी मिलों को ज्यादा कैश मिल सकेगा

माधवी सैली | नई दिल्ली

फूड मिनिस्ट्री एथनॉल की कीमतें बढ़ाने के लिए प्राइम मिनिस्टर्स ऑफिस (PMO) को एक नया प्रस्ताव भेज रही है। मिनिस्ट्री का कहना है कि इससे गन्ना किसानों की बकाया रकम का भुगतान करने के लिए शुगर मिलों के पास ज्यादा कैश उपलब्ध हो जाएगा और एथनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम के तहत एथनॉल की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने बताया, 'सरकार के विभिन्न कदमों से गन्ने की बकाया राशि में काफी कमी आई है। 2016-17 सीजन के लिए बकाया राशि 492 करोड़ रुपये पर है और 2017-18 सीजन के लिए 14 दिसंबर तक यह रकम 4,299 करोड़ रुपये है। पीएमओ के साथ विचार-विमर्श के बाद हम एथनॉल की कीमतों को बढ़ाने के लिए एक नया प्रस्ताव भेज रहे हैं, जिससे किसानों का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जा सके।' अधिकारी ने बताया कि संशोधित प्रस्ताव में शीरा आधारित डिस्टिलरीज के अलावा स्टैंडअलोन (अनाज आधारित) डिस्टिलरीज को भी शामिल किया गया है, जिससे एथनॉल की ज्यादा कीमत मिले। केंद्र सरकार ने सितंबर में एथनॉल की कीमतों को 25 पर्सेंट बढ़ाकर 59.13 रुपये प्रति लीटर कर दिया था। एक

अनुमान के मुताबिक सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 2017-18 में 140 से 150 करोड़ लीटर एथनॉल खरीदा था। इंडस्ट्री के मुताबिक 2018-19 में यह आंकड़ा 259 करोड़ लीटर तक पहुंच सकता है और इंडस्ट्री की क्षमता 280 करोड़ लीटर से ज्यादा की है। सबसे ज्यादा गन्ना बकाया अभी भी यूपी में 2,764 करोड़ रुपये का है। इसके बाद सबसे ज्यादा बकाया उत्तराखंड में 501 करोड़ रुपये और पंजाब का 432 करोड़ रुपये है। यूपी के शुगर इंडस्ट्री एंड केन डिवेलपमेंट डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया, 'बजाज, मोदी, सिंभावली, अगवानपुर जैसी शुगर मिलें किसानों का भुगतान कर रही है, जिससे यूपी की बकाया राशि में कमी आई है।'

The Economic Times. 21/12/2018